बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

भजन संहिता 32:9 (Hindi O.V.)

“तू घोड़े वा खच्चर की नाईं न हो, जिन में समझ नहीं; जिनके
मुँह में लगाम और बँधी हुई रस्सी हो, तब भी वे तेरे वश में न रहें।”

इस पद में दाऊद राजा, जो पवित्र आत्मा से प्रेरित था, घोड़े और खच्चर की उपमा देकर यह समझाने की कोशिश करता है कि ज़िद्दीपन और अविवेक से बचना चाहिए। लगाम उस यंत्र का हिस्सा है जिससे घोड़े को दिशा दी जाती है—जो हमारे जीवन में अनुशासन की आवश्यकता को दर्शाता है। जैसे एक सवार घोड़े को लगाम से नियंत्रित करता है, वैसे ही परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी बुद्धि के अनुसार चलें। लेकिन इसके लिए हमें विनम्रता और समर्पण से उसकी अगुवाई को स्वीकार करना होगा।

लगाम और बिट (बाँधने का टुकड़ा)

लगाम में सिर की पट्टी, रस्सियाँ और अन्य हिस्से होते हैं जिनसे घोड़े को दिशा दी जाती है। यह दर्शाता है कि जीवन में नियंत्रण और मार्गदर्शन आवश्यक है, ठीक वैसे जैसे हमें पवित्र आत्मा के द्वारा नियंत्रित और निर्देशित होना चाहिए।

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

बिट (बाँधने का टुकड़ा) एक छोटा, लेकिन प्रभावशाली उपकरण होता है जो घोड़े के मुँह में डाला जाता है और उसी से उसके पूरे शरीर को नियंत्रित किया जाता है। ठीक उसी तरह हमारी ज़बान भी छोटी है, लेकिन यह हमारे पूरे जीवन की दिशा तय कर सकती है। बाइबिल में यह एक आत्म-अनुशासन और परमेश्वर की इच्छा के अधीन रहने का प्रतीक है।

याकूब 3:3-6 (ERV-HI)
“जब हम घोड़ों के मुँह में लगाम कसते हैं, तो वे हमारी बात
मानते हैं और हम उनके पूरे शरीर को नियंत्रित कर सकते हैं।
या जहाज़ों को ही ले लो—वे बहुत बड़े होते हैं और तेज़
हवाओं से चलते हैं, फिर भी एक छोटी सी पतवार से वे वहाँ मोड़ दिये जाते हैं, जिधर कप्तान चाहता है। उसी तरह ज़बान शरीर का एक छोटा सा अंग है, पर यह बड़े-बड़े घमंड की बातें करती है। सोचो, एक छोटी सी आग कितना बड़ा जंगल जला सकती है! ज़बान भी एक आग है। यह अधर्म की एक दुनिया है जो हमारे अंगों में बसी हुई है। यह सारे शरीर को दूषित कर देती है, जीवन के पूरे चक्र को भस्म कर देती है और स्वयं नरक की आग से जलती है।”

याकूब हमें बताता है कि ज़बान का प्रभाव कितना बड़ा हो सकता है—जैसे एक छोटी सी आग पूरा जंगल जला देती है, वैसे ही एक अनियंत्रित ज़बान जीवन को नष्ट कर सकती है। इसलिए मसीही जीवन

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

में ज़बान पर नियंत्रण पवित्र आत्मा के अधीन रहकर ही संभव है।

भजन संहिता 39:1 (Hindi O.V.)
“मैं ने कहा, मैं अपने चालचलन की चौकसी करूँगा, कि मेरी
ज़बान से पाप न हो; जब तक दुष्ट मेरे सामने रहता है, तब तक
मैं अपने मुँह पर ज़बान का लगाम लगाए रहूँगा।”

यहाँ दाऊद कहता है कि वह अपने शब्दों पर नियंत्रण रखेगा, विशेषकर तब जब दुष्ट लोग उसके सामने हों। यह हमें याद दिलाता है कि पाप से बचने के लिए, विशेष रूप से कठिन या उत्तेजक परिस्थितियों में, हमें आत्म-संयम और परमेश्वर के भय में जीना चाहिए।

आत्मिक दृष्टिकोण: नियंत्रण और अनुशासन

लगाम और बिट केवल नियंत्रण का प्रतीक नहीं हैं, वे उस आत्मिक अनुशासन का प्रतीक भी हैं जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार चलने में सहायक होता है।

नीतिवचन 12:1 (ERV-HI)
“जो शिक्षा से प्रेम करता है वह बुद्धिमान है, परन्तु जो

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

ताड़ना से घृणा करता है, वह मूर्ख है।”

इब्रानियों 12:11 (ERV-HI)
“जब अनुशासन दिया जाता है, तो वह किसी को भी अच्छा नहीं लगता, बल्कि दुःखदायी लगता है। लेकिन जो लोग अनुशासन में प्रशिक्षित हो जाते हैं, वे अन्ततः धार्मिकता और शान्ति का
फल प्राप्त करते हैं।”

इसलिए लगाम और बिट आत्मिक प्रशिक्षण और आत्म-नियंत्रण का प्रतीक हैं, जो हमें मसीह के समान बनने में मदद करते हैं।

अंतिम न्याय और प्रकाशितवाक्य

जैसे-जैसे हम प्रकाशितवाक्य की ओर बढ़ते हैं, बाइबिल परमेश्वर के क्रोध की एक भयानक छवि प्रस्तुत करती है। वहाँ बताया गया है कि परमेश्वर के क्रोध में जब संसार का न्याय होगा, तब रक्त इतनी मात्रा में बहाएगा कि वह घोड़ों की लगाम तक पहुँच जाएगा।

प्रकाशितवाक्य 14:19-20 (ERV-HI)
“तब स्वर्गदूत ने पृथ्वी पर अपनी दरांती चलाई और अंगूरों को

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

इकट्ठा किया और उन्हें परमेश्वर के भयानक क्रोध की हौद में डाला। हौद नगर के बाहर पेरा गया और उसमें से लहू निकला जो घोड़ों की लगामों तक आया और लगभग 1600 फर्लांग (करीब 200
मील) तक फैला था।”

यह दृश्य बहुत ही डरावना और गंभीर है—यह दिखाता है कि पाप के लिए परमेश्वर का न्याय कितना भयंकर हो सकता है। यह सब उन लोगों के लिए चेतावनी है जो अब भी पाप में जीते हैं—मसीह की ओर लौट आओ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

उद्धार की आवश्यकता

जब हम प्रकाशितवाक्य में घोड़ों की लगाम तक पहुँचे रक्त की बात पढ़ते हैं, तो यह हमें याद दिलाता है कि उद्धार केवल यीशु मसीह के माध्यम से संभव है।

रोमियों 5:9 (ERV-HI)
“अब जब कि हमें उसके लहू से धर्मी ठहराया गया है, तो सोचो,
उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से हमें अवश्य ही बचाया जायेगा!”

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

यीशु का बलिदान हमें उस भयावह न्याय से बचाता है। यह एक महान आशा और सुरक्षा का संदेश है – हर उस व्यक्ति के लिए जो विश्वास करता है।

निष्कर्ष: आत्म-परीक्षण और तैयारी

विश्वासियों के रूप में हमें अपने जीवन की जाँच करते रहना चाहिए—क्या हम अपने शब्दों और कर्मों से परमेश्वर की अगुवाई में चल रहे हैं? क्या हम प्रभु के आगमन के लिए तैयार हैं?

2 कुरिन्थियों 13:5 (ERV-HI)
“अपने आप को परखो कि तुम विश्वास में हो या नहीं। अपने आप को जाँचो।”

अंत समय निकट है। अब वह समय है जब हमें यह सुनिश्चित करना है कि हम उद्धार में हैं। यदि नहीं, तो चेतावनी स्पष्ट है—अभी लौट आओ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

मारानाथा (प्रभु आ रहा है)

बाइबिल के अनुसार ‘लगाम’ और ‘बाँधने का टुकड़ा (बिट)’ में क्या
अंतर है?

अगर आप चाहें, तो मैं इसका PDF संस्करण, ऑडियो रिकॉर्डिंग, या PowerPoint स्लाइड्स के रूप में भी बना सकता हूँ। बताइए कैसे मदद कर सकता हूँ।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp